समाचार पत्रों से चयित अंश
Newspapers Clippings

दैनिक सामयिक अभिज्ञता सेवा

A daily Current Awareness Service

Vol. 43 No. 120 10 June 2018

रक्षा विज्ञान पुस्तकालय
Defence Science Library
रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केन्द्र
Defence Scientific Information & Documentation Centre
मैटकॉफ हाऊस, दिल्ली 110054
Metcalfe House, Delhi- 110054

पंजाब केसरी

Son, 10 June, 2018

स्मर्च गाइडेड मिसाइल ने साधे अचूक निशाने

जैसलमेर, (विमल भाटिया): इंडियन रसियन के जॉइंट वेन्चर के तहत निर्मित दुश्मन को खोज कर मार गिराने की क्षमता वाले स्मर्च गाइडेड मिसाइल कम मल्टी बेटल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम ने सफलता पूर्वक टारगेट हिट करते अचूक निशाने साधे। जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना व रूस के वैज्ञानिकों की मौजूदगी में स्मंच मिसाइल के समर ट्रायल इन दिनों पोकरण रेंज में चल रहे हैं। स्मर्च मिसाइल कम रॉकेट लांच सिस्टम के 2 लेटेस्ट वर्जन 9.एम.एम.एफ व 9.55.के को सफलता पूर्वक दागा गया। गत वर्ष पोकरण फायरिंग रेंज में सितंबर माह में ट्रायल के दौरान स्मर्च रॉकेट मिसाइल का निशाना चूक गया था, इस दौरान मिसाइल रास्ता भटक कर मोहनगढ़ के पास एक ढाणी में गिर गई थी, उसके बाद स्मर्च के सॉफ्टवेयर में काफी बदलाव किए गए। उच्च सैन्य अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी वर्ष, 2012 में भारत व रूस के बीच स्मर्च मिसाइल बम रॉकेट प्रोडुयस करने के लिए जॉइंट वेंचर बना था। स्मर्च बनाने वाली रूस की हथियार कंपनी रोजो बेरोन एक्सपेंट एंड स्टेलेव व भारतीय रक्षा मंत्रालय के बीच एम.ओ.यू हुआ था।

उसके भारत व रूस के बीच इस आधुनिक हथियार को देश की आर्डिनेंस फेक्ट्रियों में बनाने की सहमति बनी है। वर्तमान में कानपुर ओएफबी में इस रॉकेट का निर्माण किया जा रहा है।

स्मर्च गाइडेड मिसाइल निशाना साधता हुआ।

फायरिंग के बाद दिशा बदलने की ताकत

आयुध निर्माणी कानपुर रक्षा की दुनिया में नया अध्याय लिखने जा रहा है। दुश्मनों को खोजकर मार गिराने की क्षमता रखने वाले आधुनिक रॉकेट स्मर्च को चलाने का उपकरण अब यहीं बनेगा। रक्षा मंत्रालय ने ओएफबी कानपुर को स्मर्च मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम का हाईटेक स्टेबलाइजर बनाने के निर्देश दिए हैं। पृथ्वी मिसाइल की तरह इस रॉकेट में भी फायरिंग के बाद दिशा बदलने की ताकत होगी।

विभिन्न कसौटियों पर जांचा परखा

इन दिनों जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में मल्टीवेट स्मर्च मिसाइल कम रॉकेट लान्चर सिस्टम को विभिन्न कसौटियों पर जांचा परखा जा रहा है। उन्नत स्मर्च मिसाइल ने अपनी 90 कि.मी की मारक क्षमता को सिद्ध कर सफलतापूर्वक हिट किए। गत वर्ष सितंबर माह में स्मर्च मिसाइल के ट्रायल के दौरान मिसाइल रास्ता भटक गई थी तथा मोहनगढ़ स्थित एक रिहायसी ढाणी में जाकर गिर गई थी। यह तो गनीमत थी कि उस समय वहां कोई नहीं था, नहीं तो भारी जानमाल की हानि हो सकती थी। मिसाइल गिरने के बाद ढाणी जलकर नष्ट हो गई तथा वहां एक गड्ढा भी बन गया।